ndif]>

Title: Need to inform the House about the arrest of Shri Lalu Prasad Yadav, member of Lok Sabha.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, श्री लालू यादव न केवल इस माननीय सदन के सदस्य हैं बल्कि संसदीय पार्टी के नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। उनकी गिरफ्तारी ३० अक्तूबर को हुई लेकिन अभी तक इस सदन को सूचित नहीं किया गया है। हमने इस संबंध में आपसे एक दिसम्बर को प्रार्थना और आग्रह किया था। आपने कृपापूर्वक जांच-पड़ताल कराई। सदन के सचिवालय से जानकारी हुई कि उनकी गिरफ्तारी की सूचना ही नहीं हुई है। इसलिये यह क्लीयरकट ि वशेषाधिकार का मामला बनता है। हमने पार्लियामेंटरी प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर- कौल एंड शकधर और नियमावली के तमाम नियम छान डाले हैं, विवरणिका तथा संसदीय समाचार छपते हैं, सब को छान डाला है लेकिन कहीं भी इस गिरफ्तारी की सूचना नहीं दी गई है। अध्यक्ष महोदय, इतना भारी अंधेर हो गया है। यह क्लीयरकट विशेषाधिकार का मामला बनता है क्योंकि सदन को सूचित नहीं किया गया है।(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have allowed Shri Raghuvansh Prasad Singh.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: What is this? Please sit down.
... (Interruptions)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : श्री लालू प्रसाद केवल एक संसद सदस्य ही नहीं, बल्कि एक संसदीय पार्टी के नेता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। कथित आरोपों में उन्हें ३० अक्तूबर, १९९८ को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा गया था और बी.एम.पी. के गेस्ट हाउस में कैम्प जेल बनाकर रखा गया। फिर उन्हें कैम्प जेल से स्थानांतरित कर बेवूर जेल में रखा गया, लेकिन मुझे खेद है कि उनकी गिरफ्तारी की सूचना और जेल के स्थान परिवर्तन की सूचना सदन को नहीं दी गई। नियमानुसार यह स्पष्ट विशेषाधिकार का मामला बनता है। सी.बी.आई. उनके साथ बार-बार निष्पक्ष एवं न्यायसंगत कार्रवाई नहीं कर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई कर रही है। वह नियमों का घोर उल्लंघन कर रही है। मैं आग्रह करता हूं कि गिरफ्तारी की सूचना और स्थान परिवर्तन की सूचना न देने वाले पदाधिकारी के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन का मामला लिया जाए।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह प्रिविलेज कमेटी को मामला दिया जाए क्योंकि किसी भी सदस्य की गिरफ्तारी की सूचना सदन को होनी चाहिए।

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, please understand. You have given a notice and the matter is sent to the Ministry of Home. It is under my consideration.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : यह नियमों का घोर उल्लंघन हो रहा है।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : सी.बी.आई. सदन की अवहेलना कर रही है। यह विशेषाधिकार हनन का सवाल है।

अध्यक्ष महोदय : यह प्रिविलेज का मामला है। आप क्या-क्या बोलेंगे?

I have received the notice and the same is sent to the Ministry of Home to expedite the matter. It is under my consideration.
... (Interruptions)
SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): There are standing instructions which have not been followed. ... (Interruptions) We are reading the information through the newspapers. ... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : राजेश पायलट जी, आप बैठिये। मैंने इनफॉर्मेशन के लिए होम मिनिस्टर को इंटीमेशन दी है।

It is under my consideration. It is an important matter.

SHRI RAJESH PILOT : My humble submission is that wrong practice is being followed. We are reading in newspapers about the Member of Parliament. It is not informed to the House by the Government. We are following this wrong practice. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: It was sent to the Ministry of Home for information. It is an important matter and it is under my consideration.
... (Interruptions)

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष जी, मैं पायलट जी से सहमत हूं। आप जो कर रहे हैं, बिल्कुल सही है। ज्यों ही मुझे मालूम पड़ा और मैंने जो मालूमात की, वह यह है कि लालू जी ने कोर्ट में सरेण्डर किया है और कोर्ट ने सीधे उनको जेल भेज दिया। इसलिए यह बिहार सरकार या जेल अथॉरिटीज़ का फर्ज बनता है कि यहां इनफॉर्मेशन दें।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : यह विशेषाधिकार हनन का स्पष्ट मामला बनता है। मंत्री जी विशेषाधिकार के मामले को दबा रहे हैं।

... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री बिना नियमों को जाने बोल रहे हैं।

... (व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT : Mr. Minister, within 48 hours, you have to inform Parliament. Your Government has not followed it. ... (Interruptions)
SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): I am on a point of order.
SHRI MADAN LAL KHURANA: I agree.

मैं मानता हूं कि यह विशेषाधिकार का मामला है। आप मुझे कहने दीजिए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have told that it is under my consideration. Please sit down.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Let the hon. Minister complete his speech. What is this?
... (Interruptions)
SHRI RUPCHAND PAL : I am on a point of order under Rule 229.
MR. SPEAKER: After him, please sit down, Shri Rupchand Pal.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.
... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष जी, मेरा निवेदन यह है कि जो मुद्दा उठा कि कोई भी सदस्य जब गिरफ्तार होता है तो उसकी सूचना स्पीकर को मिलनी चाहिए, जिसकी सूचना सदन को भी मिलनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो मामला बहुत गंभीर है, मैं मानता हूं।

मुझे यह अभी मालूम पड़ा, पहले मैंने समझा कि यह ग़ृह सचिव का मामला है। मैंने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि यह सी.बी.आई. का मामला है। चूंकि सी. बी.आई. डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल के अंडर आती है, मैंने डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल के सेक्रेटरी से बात की। उन्होंने कहा है कि वे मुझे सारी इंफॉर्मेशन देंगे, मुझे अभी सूचना मिली है उनका यही कहना है कि स्टेट

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He is giving some information. Let him complete. Please take your seat.
... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, अभी यह लिखकर आया है कि श्री लालू प्रसाद जी ने स्वयं कोर्ट में सरेंडर किया था। इस मामले में सी.बी.आई. ने फॉर्मल अरेस्ट नहीं किया, इसलिए सी.बी.आई. के लिए इस समय

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : मामला सी.बी.आई. की कोर्ट में है

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः आप मुझे पूरी बात तो कहने दीजिए

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already said that it is under my consideration. Please understand the position.

श्री मदन लाल खुरानाः सी.बी.आई. की तरफ से यही आया है। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि मुझे थोड़ा और समय दे दीजिए, मैं आज शाम तक या कल तक पूरी इंफॉर्मेशन आपके सामने रखूंगा कि यह किसकी जिम्मेदारी है।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह विशेषाधिकार का मामला है ... (व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह (बांका) इसमें डी.एम. के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उसने सूचित नहीं किया

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is under my consideration.
... (Interruptions)
SHRI RUPCHAND PAL : Mr. Speaker, Sir, I want to make a submission in this regard.
MR. SPEAKER: What is your submission?

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, my submission is that it involves the privilege of the hon. Member of this House. Secondly, Rule 229 is very clear that as soon as an arrest is made, it will have to be informed in a specified form to the hon. Speaker's office and it should be circulated immediately if Parliament is in Session; otherwise, if it is not in Session, it should be circulated in the Bulletin. It was the duty of the Minister of Parliamentary Affairs of this Government to inform about his arrest, because the arrest was made by the C.B.I. It is the responsibility of the Government and they have not informed the House deliberately. So, it attracts the privilege of the House, because it pertains to an hon. Member of this House. (Interruptions)
MR. SPEAKER: I have already said that it is under my consideration. Please understand the position.
... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः यह मामला पार्लियामेन्ट्री अफेयर्स मिनिस्टर के पास नहीं है, यह मामला स्पीकर साहब के पास है। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already given my ruling that it is under my consideration.
... (Interruptions)
SHRI RAJESH PILOT : Mr. Speaker, Sir, this is not the solution.
MR. SPEAKER: The notice regarding breach of privilege is under my consideration.

श्री मोहन सिंह : आप कब तक कंसीडर करेंगे, यह प्राइमा-फेसी केस है, इस पर क्या कंसीडर करना है

... (व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT : Sir, it is not only the question of privilege, but it is the honour of the House. We are not saying as to who is at fault. We agree that the matter is under your consideration, but that is not the solution. The

procedure has been violated by the system. In any case, the arrest should be informed to the Speaker's office within 24 hours of the arrest. They have failed to do that. We do not know whether it is the State Government which has to inform in this matter. But the procedure has been violated. (Interruptions)
SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Mr. Speaker, Sir, I want to make a submission and I am also quoting Rule 229. Kindly listen to me.
MR. SPEAKER: What is your submission?
SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, Rule 229 says:
"When a Member is arrested on a criminal charge or for a criminal offence or is sentenced to imprisonment by a court or is detained under an executive order, the committing judge, magistrate or executive authority, as the case may be, shall immediately intimate such fact to the Speaker..."
Now, the committing judge, the magistrate, are also from Bihar. And the executive authority is also from Bihar.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: No, no. Now, Shri Ram Vilas Paswan.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go in record.
(Interruptions)*
SHRI KHARABELA SWAIN : It is Rule 229.
MR. SPEAKER: No, no. I have already given my ruling. Now, Shri Prabhunath Singh.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदय, हम आपको स्पष्ट बताना चाहते हैं कि सारा देश जानता है कि बिहार के भू.पू.मुख्य मंत्री ९५० करोड़ रुपए के पशुचारा घोटाले में अभियुक्त हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is this?
(Interruptions)

---

*Not recorded.
12.21 hrs. (At this stage Shri Surendra Prasad Yadav and some other Hon. Members came and stood near the Table of the House)
MR. SPEAKER: Please go to your seats. Now, Shri Ram Vilas Paswan.
... (Interruptions)
SHRI RAM VILAS PASWAN : How can I speak? ... (Interruptions)
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: No, no. I am appealing to you to please go to your seats.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: What is this?
12.22 hrs.
(At this stage Shri Surendra Prasad Yadav and some other Hon. Members went back to their seats.)
MR. SPEAKER: I have called Shri Ram Vilas Paswan.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Ram Vilas Paswan says.
(Interruptions) *
MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, you must know the Rules first. Nothing will go on record. Now, Shri Ram Vilas Paswan.
(Interruptions) *
MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, this is too much.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, please take your seat. What is this?
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Ram Vilas Paswan says.
(Interruptions) *

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, what is this? This is the House. You must know it.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Please take your seat. Hon. Member, I am also giving a warning. This is too much.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Every time, you disturb the House. What is this? Now, Shri Ram Vilas Paswan.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: I am not allowing anybody except Shri Ram Vilas Paswan.